SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

दया के विषय में बाइबल क्या कहती है? — आधार · स्ट्रॉन्ग्स नंबरों सहित केजेवी पवित्रशास्त्र

THE FOUNDATION · THE ORIGINAL STUDY, SET IN THE ANCIENT ORDER

दया — आधारभूत बाइबिल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

दया केवल एक भावना नहीं है; यह एक कार्य है। पुरानी भाषा में यह दो शब्द हैं। पहला है chesed (H2617, दया): वह दया जो एक वाचा से बहती है — एक प्रतिज्ञा से बंधी हुई करुणा, जो विश्वास को थामे रहती है। दूसरा है racham (H7356, कोमल करुणा): वह गहरा प्रेम जो बड़े से छोटे की ओर बहता है, जैसे पिता से संतान की ओर। सारी दया परमेश्वर से बहती है। उसने पहले हम पर दया दिखाई, और वह चाहता है कि हम एक दूसरे पर दया दिखाएँ; और जब हम ऐसा करते हैं, तो महिमा उसकी और मसीह की होती है, हमारी नहीं। उसकी दया एक उद्धार करने वाली दया है। वह लूत को आग से बाहर लाई। उसने याकूब को थामा, जो उसकी छोटी से छोटी दया के भी योग्य न था। और यह सारे भजन में गूँजता है: उसकी दया सदा की है। उसकी सारी दया का एक ही उद्देश्य है — बचाना: उन कामों के अनुसार नहीं जो हमने किए, परन्तु अपनी दया के अनुसार उसने हमें बचाया। इसे खोज कर देखो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. पुरानी भाषा में दया के लिए दो शब्द कौन-कौन से हैं, और दया किस प्रकार केवल एक भावना न होकर एक क्रिया है?
2. परमेश्वर हमसे किस दया की अपेक्षा करता है, और वह दया कहाँ से आती है?
3. परमेश्वर की दया का उद्देश्य क्या है, और वह सर्वदा किस प्रकार बनी रहती है?

ग्रीक मुख्य शब्द

"दया" — **G1656 eleos** — दया, करुणा; वह करुणा जो किसी संबंध के कारण देय है
मुक्ति का युग दया का युग है — मसीह में परमेश्वर का उद्धारक कार्य

"दया करो" — **G1653 eleeo** — करुणा दिखाना, दया करना, तरस खाना
मार्ग के किनारे की पुकार — मुझ पर दया कर — और दूसरे को दिखाई गई दया (भला सामरी)

"दयालु" — **G1655 eleemon** — दयालु, करुणा से भरा हुआ
धन्य हैं दयावान, क्योंकि उन पर दया की जाएगी; एक दयालु महायाजक

"भिक्षा" — **G1654 eleemosyne** — ज़रूरतमंद के प्रति किए गए कार्य में दिखाई गई दया, एक भेंट
दान-कार्य के साथ काम करनेवाली दया — दान, दोरकास के भले कार्य

हिब्रू मुख्य शब्द

"दया" — **H2617 chesed** — करार की करुणा; एक निश्चित, अटल दया

वह करुणा जो वाचा से बहती है — एक क्रिया, विश्वास और सत्य के साथ, सदा के लिए रखी गई

"कोमल करुणा" — **H7356 racham** — करुणा; वही शब्द अन्यत्र गर्भ है

वह गहन प्रेम जो बड़े से छोटे की ओर बहता है — माता के समान गहरा, और वह कभी विफल नहीं होता

खुलने वाला लंगर

तीतुस 3:5 तो उसने हमारा उद्धार किया और यह धार्मिक कामों के कारण नहीं, जो हमने आप किए, पर अपनी दया के अनुसार, नये जन्म के स्नान, और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ। **[G1656 eleos ⚑]**

धार्मिकता के उन कामों के अनुसार नहीं जो हम ने किए → परन्तु अपनी दया के अनुसार उसने हमें बचाया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह है इस सारे अध्ययन का उद्देश्य: दया बचाती है। यह किसी मनुष्य को उसके कार्यों के बदले नहीं दी जाती; यह उसे इसलिए दिखाई जाती है क्योंकि परमेश्वर दयावान है। और यह दया केवल एक शब्द नहीं है — यह नए जन्म के धोने के द्वारा, जल और आत्मा के द्वारा बचाती है।)

I. दया एक कार्य है — परमेश्वर हमसे क्या चाहता है

A. मत्ती 9:13 इसलिए तुम जाकर इसका अर्थ सीख लो, कि मैं बलिदान नहीं परन्तु दया चाहता हूँ; क्योंकि मैं धर्मियों को नहीं परन्तु पापियों को बुलाने आया हूँ।" (होशे 6:6) **[G1656 eleos ⚑]**

मैं दया चाहता हूं, और बलिदान नहीं → मैं धर्मियों को नहीं, परन्तु पापियों को मन फिराने के लिये बुलाने आया हूं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — परमेश्वर वेदी पर चढ़ाई गई भेंट की अपेक्षा दया दिखाई जाना अधिक पसंद करता है। दया हृदय में बंद कोई भावना नहीं है; यह दूसरे के प्रति किया गया एक कार्य है।)

B. लूका 10:37 उसने कहा, "वही जिसने उस पर तरस खाया।" यीशु ने उससे कहा, "जा, तू भी ऐसा ही कर।" **[G1656 eleos ⚑]**

जिसने उस पर दया की → जा, और तू भी वैसा ही कर।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जो तीन लोग वहाँ से गुज़रे, उनमें से केवल एक ही पड़ोसी था, और वह वही था जिसने दया की। दया हाथ के द्वारा अपने आप को कार्यरूप में प्रकट करती है — जा, और तू भी वैसा ही कर।)

C. मत्ती 18:33 इसलिए जैसा मैंने तुझ पर दया की, वैसे ही क्या तुझे भी अपने संगी दास पर दया करना नहीं चाहिए था?' **[G1653 eleeo ⚑]** **[G1653 eleeo ⚑]**

क्या तुझे भी दया करना उचित न था → जैसा मैंने तुझ पर दया की।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जो दया परमेश्वर मुझसे माँगता है, वह उस दया पर आधारित है जो उसने पहले मुझ पर दिखाई। उसने मुझे बहुत क्षमा किया; इसलिए मुझे भी क्षमा करनी चाहिए। मेरी सारी दया, उत्तर में दी गई दया है।)

D. याकूब 2:13 क्योंकि जिसने दया नहीं की, उसका न्याय बिना दया के होगा। दया न्याय पर जयवन्त होती है। **[G1656 eleos ⚑]**

दया न दिखाना → बिना दया के न्याय + दया न्याय पर जय पाती है।

E. मत्ती 5:7 "धन्य हैं वे, जो दयावन्त हैं, क्योंकि उन पर दया की जाएगी। **[G1653 eleeo ⚑]** **[G1655 eleemon ⚑]**

धन्य हैं वे, जो दयावन्त हैं → क्योंकि उन पर दया की जाएगी.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जो दया मैं दिखाता हूँ और जो दया मुझे मिलती है, वे दोनों आपस में बंधे हुए हैं। दो, और तुम्हें वापस दिया जाएगा: दया, अन्यथा बिना दया के न्याय। और यह सब पहले परमेश्वर से बहता है — महिमा उसकी और मसीह की है, मेरी नहीं।)

II. मसीह में परमेश्वर की उद्धारकारी दया

A. इफिसियों 2:4 परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है; अपने उस बड़े प्रेम के कारण जिससे उसने हम से प्रेम किया **[G1656 eleos ⚑]** (5) जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया; अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है

परमेश्वर, जो दया से धनवान है → उसने हमें मसीह के साथ जिलाया → अनुग्रह से तुम्हारा उद्धार हुआ है।

B. 1 पतरस 1:3 हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, जिसने यीशु मसीह को मरे हुओं में से जी उठने के द्वारा, अपनी बड़ी दया से हमें जीवित आशा के लिये नया जन्म दिया **[G1656 eleos ⚑]**

उसकी बहुत करुणा के अनुसार → हमें एक जीवित आशा के लिए फिर से जन्म दिया।

C. इब्रानियों 2:17 इस कारण उसको चाहिए था, कि सब बातों में अपने भाइयों के समान बने; जिससे वह उन बातों में जो परमेश्वर से सम्बंध रखती हैं, एक दयालु और विश्वासयोग्य महायाजक बने ताकि लोगों के पापों के लिये प्रायश्चित करे। **[G1655 eleemon ⚑]**

एक दयावन्त और विश्वासयोग्य महायाजक → कि वह लोगों के पापों का प्रायश्चित्त करे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — मसीह के आने से पहले भी दया थी, परंतु वह अभी तक पूर्ण नहीं थी। सच्ची दया अंत में उसी में प्रकट होती है: एक दयालु महायाजक, जो लोगों के पापों को परमेश्वर के साथ एक होने के लिए लाता है। उद्धार का युग दया का युग है।)

III. दया की पुकार

A. मरकुस 10:47 वह यह सुनकर कि यीशु नासरी है, पुकार पुकारकर कहने लगा "हे दाऊद की सन्तान, यीशु मुझ पर दया कर।"
[G1653 eleeo ⚑] [G1653 eleeo ⚑] (48) बहुतों ने उसे डाँटा कि चुप रहे, पर वह और भी पुकारने लगा, "हे दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर।"

हे यीशु, दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर → उसने और भी अधिक चिल्लाकर पुकारा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दया को नाम लेकर पुकारा जा सकता है। जितना अधिक उन्होंने उसे शांत रहने को कहा, उतना ही अधिक वह पुकारता रहा; और दया उसके लिए नहीं रुकी। दया की आशा और प्रतीक्षा की जाती है, इसे किसी बकाया हक के रूप में दावा नहीं किया जाता — फिर भी वह उन्हें उत्तर देती है जो पुकारते हैं।)

IV. दया जो हाथ के साथ काम करती है — कलीसिया के द्वारा भिक्षा

A. लूका 11:41 परन्तु हाँ, भीतरवाली वस्तुओं को दान कर दो, तब सब कुछ तुम्हारे लिये शुद्ध हो जाएगा। **[G1654 eleemosyne ⚑]**

जो कुछ तुम्हारे पास है उसमें से दान दो → तब सब कुछ तुम्हारे लिये शुद्ध हो जाएगा।

B. प्रेरितों के काम 9:36 याफा में तबीता अर्थात् दोरकास नामक एक विश्वासिनी रहती थी, वह बहुत से भले-भले काम और दान किया करती थी।
[G1654 eleemosyne ⚑]

वह बहुत से भले-भले काम और दान किया करती थी.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — नए नियम में वरदान पहले कलीसिया की ओर बहते हैं, और कलीसिया से भाइयों और बहनों की ओर, और फिर बाहरवालों की ओर। इस प्रकार आवश्यकता क्रम में पूरी की जाती है, और दान न तो व्यर्थता की ओर मुड़ता है और न ही किसी एक मनुष्य की इच्छा की ओर।)

V. वह दया जो वाचा से बहती है — लूत, और याकूब

A. उत्पत्ति 19:19 देख, तेरे दास पर तेरी अनुग्रह की दृष्टि हुई है, और तूने इसमें बड़ी कृपा दिखाई, कि मेरे प्राण को बचाया है; पर मैं पहाड़ पर भाग नहीं सकता, कहीं ऐसा न हो, कि कोई विपत्ति मुझ पर आ पड़े, और मैं मर जाऊँ। **[H2617 chesed ⚑]**

तू ने अपनी करुणा को बड़ा किया → जो तू ने मुझ पर की, कि मेरे प्राण को बचाया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — परमेश्वर की दया मनुष्य को उतनी दूर तक ले जाएगी जितनी दूर वह जाने को तैयार है, और वह तब तक उसके साथ बनी रहेगी जब तक वह परमेश्वर की प्रेमपूर्ण देखभाल के विषय में पूर्ण रूप से विश्वास न कर ले। लूत पहाड़ पर जाने को तैयार न था; स्वाभाविक मनुष्य नगर के बिना जीवित नहीं रह सकता।)

B. उत्पत्ति 19:29 और ऐसा हुआ कि जब परमेश्वर ने उस तराई के नगरों को, जिनमें लूत रहता था, उलट-पुलट कर नाश किया, तब उसने अब्राहम को याद करके लूत को उस घटना से बचा लिया।

परमेश्वर ने अब्राहम को स्मरण किया → और लूत को उस उलटफेर के बीच से बाहर भेज दिया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ध्यान दीजिए कि लूत क्यों बचाया गया: परमेश्वर ने अब्राहम को स्मरण किया। जिस दया ने लूत को बचाया, वह उस वाचा से बहकर आई जो परमेश्वर ने किसी अन्य के साथ बाँधी थी। वाचा की दया उस मनुष्य से कहीं आगे तक पहुँचती है जो उसे प्राप्त करता है।)

C. उत्पत्ति 32:10 तूने जो-जो काम अपनी करुणा और सच्चाई से अपने दास के साथ किए हैं, कि मैं जो अपनी छड़ी ही लेकर इस यरदन नदी के पार उतर आया, और अब मेरे दो दल हो गए हैं, तेरे ऐसे-ऐसे कामों में से मैं एक के भी योग्य तो नहीं हूँ। **[H2617 chesed ⚑]**

तूने जो-जो काम अपनी करुणा और सच्चाई से अपने दास के साथ किए हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — कि मनुष्य सबसे छोटी दया के भी योग्य नहीं है, यही वह बात है जो धन्यवाद उत्पन्न करती है, क्योंकि दया एक वरदान है, मजदूरी नहीं। जो योग्यता के अनुसार मिलता है, वह धन्यवाद नहीं लाता; जो मुफ्त में दिया जाता है, वही स्तुति लाता है।)

D. उत्पत्ति 32:12 तूने तो कहा है, कि मैं निश्चय तेरी भलाई करूँगा, और तेरे वंश को समुद्र के रेतकणों के समान बहुत करूँगा, जो बहुतायत के मारे गिने नहीं जा सकते।"

मैं निश्चय तुझ से भलाई करूंगा → तेरे वंश को समुद्र के बालू के समान बहुत करूंगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दया का उद्देश्य उद्धार है, परमेश्वर के प्रेम की पूर्णता। याकूब बचाया गया, और उसके वंशज भी बचाए जाने वाले थे; दया भलाई करती है, और अंत तक करती है।)

VI. उसकी दया सदा बनी रहती है

A. भजन संहिता 136:1 यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है, और उसकी करुणा सदा की है। **[H2617 chesed ⚑]**

यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है → और उसकी करुणा सदा की है.

B. भजन संहिता 136:4 उसको छोड़कर कोई बड़े-बड़े आश्चर्यकर्म नहीं करता, उसकी करुणा सदा की है। **[H2617 chesed ⚑]**

उसको छोड़कर कोई बड़े-बड़े आश्चर्यकर्म नहीं करता → उसकी करुणा सदा की है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पूरे भजन में एक पंक्ति बार-बार गूंजती है: उसकी दया सदा की है। आश्चर्यकर्म, आकाश, सूर्य और चंद्रमा, जंगल में से होकर की गई अगुवाई — यह सब इसलिए रखा गया है कि हमें याद दिलाए कि उसकी दया का कोई अंत नहीं है।)

C. भजन संहिता 136:23 उसने हमारी दुर्दशा में हमारी सुधि ली, उसकी करुणा सदा की है; **[H2617 chesed ⚑]** (24) और हमको द्रोहियों से छुड़ाया है, उसकी करुणा सदा की है। (25) वह सब प्राणियों को आहार देता है, उसकी करुणा सदा की है।

हमारी दीनावस्था में हमें स्मरण किया + हमें हमारे शत्रुओं से छुड़ाया + सब प्राणियों को आहार देता है → उसकी करुणा सर्वदा की है।

समापन

भजन संहिता 136:26 स्वर्ग के परमेश्वर का धन्यवाद करो, उसकी करुणा सदा की है। **[H2617 chesed ⚑]**

स्वर्ग के परमेश्वर का धन्यवाद करो → उसकी करुणा सदा की है.

इफिसियों 2:4 परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है; अपने उस बड़े प्रेम के कारण जिससे उसने हम से प्रेम किया **[G1656 eleos ⚑]** (5) जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया; अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है

परमेश्वर, जो दया से धनवान है → उसने हमें मसीह के साथ जिलाया → अनुग्रह से तुम्हारा उद्धार हुआ है।

(मेरे निजी विचार — पूरे अध्ययन को एक पंक्ति में समेटूं: दया एक कार्य है, और वह परमेश्वर से बहती है। पुरानी भाषा में यह दो शब्द हैं — वह वाचा की दया जो विश्वास बनाए रखती है, और वह गहरा प्रेम जो नीचे तक बह जाता है। परमेश्वर ने पहले इसे प्रकट किया, और चाहता है कि हम एक दूसरे पर इसे प्रकट करें। यह लूत को आग से निकाल लाई और याकूब को थामे रही, जो इसके सबसे छोटे भाग के भी योग्य न था, और यह पूरे भजन में बिना अंत के गूंजती है। और इन सबका उद्देश्य है बचाना: परमेश्वर, जो दया में धनी है, उसने हमें मसीह के साथ जीवित कर दिया है। उसकी दया सर्वदा बनी रहती है, और यह उद्धार तक बनी रहती है।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. तीतुस 3:5 — धर्म के उन कामों के कारण नहीं जो हम ने किए, परन्तु अपनी दया के अनुसार उसने:
a) हमें पश्चाताप के लिए बुलाया
b) हमें बचाया
c) हमें फिर से जन्म दिया

2. मत्ती 9:13 — मैं दया चाहता हूं, न कि:
a) न्याय
b) बलिदान
c) दान

3. मत्ती 5:7 — धन्य हैं वे जो दयावान हैं: क्योंकि वे:
a) दया प्राप्त करना
b) परमेश्वर को देखना
c) सांत्वना पाना

4. इफिसियों 2:4 — परन्तु परमेश्वर जो दया का धनी है, उस भारी प्रेम के कारण जिस से उसने हम से प्रेम किया,
a) कामों के द्वारा हमें बचाया
b) हमें जीवित आशा के लिए फिर से जन्म दिया
c) हमें मसीह के साथ जीवित किया

5. उत्पत्ति 32:10 — मैं उन सब की दयाओं और उस सब सच्चाई के, जो तू ने अपने दास से किया है, योग्य नहीं हूं:
a) दयाओं का, और सारे सत्य का
b) यहोवा के आश्चर्यकर्म
c) अब्राहम की आशीषें

6. उत्पत्ति 19:29 — जब परमेश्वर ने मैदान के नगरों को नष्ट किया, तब परमेश्वर ने अब्राहम को स्मरण करके:
a) लूत को विनाश के बीच से बाहर भेजा
b) सोअर शहर को बख्श दिया
c) मैदान पर दया की

7. भजन संहिता 136:23 — जिस ने हमारी दीन दशा में हमें स्मरण किया, क्योंकि उसकी दया:
a) अनादि काल से है
b) उसकी सारी कृतियों पर है

c) सदा बना रहता है

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-b, 3-a, 4-c, 5-a, 6-a, 7-c

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

शब्दों का महत्व कैसे है: पुरानी भाषा में करुणा के लिए दो शब्द हैं — चेसेद (H2617, दया), वाचा की करुणा, और राखम (H7356, करुणामय दया), वह प्रेम जो नीचे की ओर बहता है; नई भाषा में तीन शब्द हैं — एलेओस (G1656, दया), वह दया जो कार्य करती है; एलेएओ (G1653, दया करना), वह दया जो पुकारी और दिखाई जाती है; और एलीमोसुने (G1654, दान), वह दया जो हाथ से देती है।

नई वाचा इसे और आगे किस प्रकार खोलती है: अब्राहम के कारण लूत पर की गई दया (उत्पत्ति 19:29) मसीह में व्यापक रूप से खोल दी गई है — परमेश्वर, जो दया में धनी है, ने हमें उसके साथ जीवित कर दिया है (इफिसियों 2:4-5)। वाचा की दया सबके लिए उद्धारकारी दया बन गई।

यह यहूदी और अन्यजाति दोनों को कैसे छूता है: पूर्वजों से जो दया की शपथ खाई गई, और सड़क के किनारे एक अंधे भिखारी द्वारा जो दया के लिए पुकार लगाई गई (मरकुस 10:47), वह एक ही दया है। यह उन सभी की ओर बहती है जो इसे ग्रहण करना चाहते हैं।

यह आपके ऊपर कैसे लागू होता है: उस अंधे मनुष्य की रीति पर आइए — पुकारिए और चुप न रहिए (मरकुस 10:48); अपने ही हाथ से दया दिखाइए (लूका 10:37); और धन्यवाद दीजिए, क्योंकि आप उन दयाओं में से सबसे छोटी के भी योग्य नहीं हैं (उत्पत्ति 32:10)।

अनंतकाल के लिए इसका अर्थ यह है: दया का उद्देश्य उद्धार है (तीतुस 3:5), और उसकी दया सदा की है (भजन संहिता 136:26)। इसने काम को आरम्भ किया, और जब तक इसे पूरा न कर ले, यह रुकेगा नहीं।

साइड ट्रैक: यूहन्ना का बपतिस्मा आनेवाले क्रोध से भागकर परमेश्वर की दया की ओर आना था (मत्ती 3:7; मरकुस 1:4) — यह जल के बचाने के कारण नहीं था, परन्तु यह एक शुद्ध विवेक का उत्तर था (1 पतरस 3:21); वे जानते थे कि वे न्याय के योग्य हैं, और इसके बदले उन्होंने दया की खोज की।

संभावित प्रकाशन: दया की प्रतीक्षा की जाती है और आशा रखी जाती है, उसे मज़दूरी के रूप में दावा नहीं किया जाता — जिस चीज़ की प्रतीक्षा की जाती है वह देनेवाले के हाथ में रहती है, परन्तु मज़दूरी वह होती है जिसे पानेवाला अपने नियंत्रण में रखता है; इसलिए दया सदैव एक वरदान है, और वरदान धन्यवाद उपजाता है, और धन्यवाद सारी महिमा परमेश्वर को लौटा देता है। (मेरे व्यक्तिगत विचार)

उद्धार पाने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

> *हमारे बाइबल अध्ययन को देखिए — "मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए"*

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).